प्रगतिशील समाज की संरचना में युगशिल्पियों का योगदान

१०१ नवयुगलों को दी जीवन आदर्शों की सौगात

मोंठ, झाँसी (उ.प्र.)

गायत्री परिवार को मोंठ में आयोजित १०१ जोड़ों के विवाह समारोह का संचालन करते हुए २५ से ३० हजार लोगों तक युगऋषि परम पूज्य गुरुदेव की आदर्श प्रेरणाएँ पहुँचाने का सुअवसर प्राप्त हुआ। समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री दीपनारायण सिंह द्वारा गरीब परिवारों की सहायतार्थ आयोजित इस विशाल समारोह का संचालन शांतिकुंज से पहुँची श्री परमानन्द द्विवेदी, श्री उदय किशोर मिश्र, श्री गणेश पंवार एवं श्री राम संजीवन शिवहरे की टोली ने किया। उन्होंने समाजोत्कर्ष के प्रयासों को बल प्रदान करते हुए सम्पूर्ण समाज एवं नवयुगलों को आध्यात्मिक जीवन शैली के श्रेष्ठ सूत्र-सिद्धान्तों को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि संस्कार ही जीवन का सर्वोत्तम आभूषण हैं, जो जीवन को संतोषप्रद यश, सम्मान, सफलताएँ दिलाता है।

शीतला धाम में आयोजित यह विवाह समारोह १०१ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के साथ सम्पन्न हुआ। इसमें ब्राह्मण, कायस्थ, राजपूत, कुशवाह, पाल, सोनी, नामदेव, दांगी, नाई, रायकवार, खंगार, बढ़ई, लोहार, साहू, गोस्वामी, खटीक, कोरी, अहिरवार, धोबी, बटार, आदिवासी एवं मुस्लिम जोड़े शामिल थे। मुस्लिम जोड़ों के निकाह की रस्म मौलवी मो.हाशिम ने पूरी कराई। झाँसी के अलावा दतिया, जालौन, टीकमगढ़, भिण्ड, शिवपुरी, ललितपुर, औरैया एवं कानपुर देहात क्षेत्र से लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तथा प्रदेश के कृषि एवं लोक कल्याण मंत्री श्री शिवपाल सिंह ने गायत्री परिवार की आदर्श संस्कार परम्परा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। समारोह में सांसद, विधायक, प्रशासनिक अधिकारियों का एक बड़ा दल उपस्थित था। आयोजकों ने नवयुगलों को जीवनोपयोगी उपहार दिये, वहीं गायत्री परिवार की ओर से दाम्पत्य जीवन के लिए उपयोगी साहित्य भेंट किया गया। ⊙

युवा मण्डल ने निकालीं कुरीति उन्मूलन रैलियाँ

देवास (म.प्र.)

गायत्री शक्तिपीठ देवास के युवा प्रकोष्ठ द्वारा ११ फरवरी को शक्तिपीठ से ग्राम ब्राह्मणखेड़ा तक की व्यसन मुक्ति रैली तथा २० फरवरी को शक्तिपीठ से बिलावली गाँव तक धर्म चेतना साइकिल रैलियों का आयोजन किया गया। इनके द्वारा व्यसन मुक्ति के साथ फैशन, फिजूलखर्ची, मृत्युभोज, दहेज आदि कुरीतियों के प्रतिकूल प्रभावों की जानकारी देते हुए समाज को उनसे बचने और आध्यात्मिक जीवन शैली अपनाने की प्रेरणाएँ प्रदान की गयीं। लोगों को गुरुवर का क्रांतिधर्मी साहित्य एवं पॉकेट बुक्स प्रदान की गयीं। युवा मण्डलों का गठन भी हुआ। ⊙

मुम्बई में वृक्षारोपण अभियान

मुम्बई (महाराष्ट्र)

गायत्री परिवार यूथ ग्रुप मुंबई इन दिनों अंधेरी से बोरिवली तक के उपनगरों में वृक्षारोपण का आन्दोलन चला रहा है। श्री मनीष भाई राज्यगुरु, श्री ललित भाई जोशी के मार्गदर्शन में अमर वाघानी, आरती बेन, निवेदिता, शीतल पाण्डेय आदि भाई-बहिन विभिन्न हाऊसिंग सोसायटियों में वृक्षारोपण कर रहे हैं। जागरूक नगर वासियों के सहयोग से गीता ज्ञान मंदिर, वसंत आराधना टावर आदि में गुलमोहर, नीम, अशोक, पीपल की पौध लगायी गयीं। इस आन्दोलन में प्रति वृक्ष ९५०रु. (८५०रु. के ट्री गार्ड सहित) खर्च परस्पर चंदे से सोसायटी वासी ही वहन करते हैं। ⊙

पीड़ित समाज की सेवा में

कोटा (राजस्थान)

१२ फरवरी को गायत्री शक्तिपीठ कोटा के पुरोहित श्री दयाराम जी एवं श्री मांगीलाल वर्मा ने करणी नगर विकास समिति द्वारा आयोजित एक मूक-बधिर जोड़े चि. राजेन्द्र एवं चि. रश्मि का विवाह

कोटा में हो रहा मूक-बधिर वर-वधू का मंगल परिणय संस्कार

संस्कार सम्पन्न कराया। सम्पूर्ण संस्कार सांकेतिक भाषा में कराते हुए नवयुगलों को समाज एवं संस्कृति के प्रति निष्ठावान् रहने की प्रेरणा प्रदान की गयी।

करणी नगर विकास समिति संयोजिका श्रीमती प्रसन्न भण्डारी एवं श्री महावीर चंद्र भण्डारी को पूज्यवर ने सन् ८५ में कहा था,'' आप जो भी सेवाकार्य हाथ में लेंगी, मेरा आशीर्वाद सदा रहेगा।'' आज यह दम्पती वृद्धाश्रम, अनाथाश्रम, परिवार परामर्श केन्द्र, कंवारी माता सुरक्षा जैसे कई कार्य कर रहा है। श्रीमती प्रसन्न भण्डारी को लोग कोटा की मदर टेरेसा कहते हैं। उनके सेवा कार्यों में गायत्री परिवार का सतत सहयोग रहता है।

१३ फरवरी को शक्तिपीठ पर विदुर श्री महेश खण्डेलवाल एवं विधवा पिंकी खण्डेलवाल का पुनर्विवाह सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर पुरोहितों ने उपस्थितजनों को प्रगतिशील परम्पराओं के प्रति अधिक से अधिक हृदयग्राही बनने की प्रेरणा प्रदान की। ⊙

विवाह में ज्ञानोपहार

मनासा, नीचम (मध्य प्रदेश)

भाटखेड़ी निवासी सेवा निवृत्त शिक्षक श्री बंशीलाल ने अपने समाज के ३१ जोड़ों के सामूहिक विवाह में प्रत्येक जोड़े को 'युगनिर्माण योजना' पत्रिका की वार्षिक सदस्यता प्रदान की। उन्होंने कहा कि दहेज में धन-दौलत, वस्त्र आदि तो हर कोई देता है, लेकिन ज्ञान, चरित्र और नैतिकता का पक्ष सूना ही पड़ा है। विज्ञ समाज की समझदारी इसी में है कि वह सुख-संसाधन बढ़ाने की बजाय जीवन के उत्कर्ष की बात सोचें।

श्री बंशीलाल पाटीदार हाल में शांतिकुंज में ९ दिवसीय संजीवनी साधना कर परम पूज्य गुरुदेव की प्राण चेतना के संवाहक बने हैं। वे अब नाना प्रकार से समाज को गुरुवर का लिखा उत्तम साहित्य पढ़ाने के आन्दोलन में जुट गये हैं। ⊙

धागे में गाँठ लगी हो, तो वह सुई में पिरोया नहीं जा सकता और न उससे सिलाई हो सकती है। मन में स्वार्थभरी संकीर्णता की गाँठ हो तो वह ईश्वर में नहीं लग सकता और जीवन लाभ प्राप्त नहीं कर सकता।
*** स्वामी रामकृष्ण परमहंस ***

'कुणाबरी' में न पशुबलि, न फिजूल खर्ची

जूनागढ़, कालाहाण्डी (उड़ीसा)

कालाहाण्डी जिले के चीची गुड़ा, नकटिगुड़ा के मेहेर परिवारों में 'कुणाबरी' संस्कार की परम्परा है। यह संस्कार विवाह के पूर्व कर्म का ही एक संस्कार माना जाता है। इसके अन्तर्गत ८ से १० वर्ष की कुंवारी कन्या को तेल, हल्दी, मुकुट आदि लगाकर रस्म पूरी की जाती है। आगे वयस्क होने पर सुयोग्य वर तलाश कर उसका विवाह किया जाता है। कुणाबरी संस्कार में ३-४ पशुओं की बलि दी जाती है और विशाल भोज आयोजित होता है।

कालाहाण्डी एक गरीब क्षेत्र है, लेकिन कुणाबरी संस्कार का खर्च है २० से २५ हजार।

गायत्री परिवार की जूनागढ़ शाखा ने वसंत पर्व की मंगल वेला में तीन दिवसीय संस्कार महोत्सव आयोजित किया। इसमें 'कुणाबरी' संस्कार का परम्परागत प्रचलन बदलकर उसे विवेक सम्मत एवं सादगीपूर्ण बनाने के सराहनीय प्रयास हुए। ऐसी ३० बच्चियों के संस्कार कराये गये, जिनसे ५-६ लाख रुपयों की फिजूल खर्ची बची और पचासों मूक-निरीह पशुओं को जीवन दान मिला। कार्यक्रम का संचालन जोन की प्रतिनिधि बहिनों पंकजिनी एवं दीप्ति ने किया। उन्होंने लोगों के समक्ष गायत्री विद्या का सुंदर तत्वदर्शन प्रस्तुत करते हुए विवेक के आधार पर मूढ़ मान्यताओं को छोड़ने की प्रभावशाली प्रेरणा प्रदान की। समाज को प्रगतिशील दिशा में ले जाते गायत्री परिवार के पुनीत प्रयासों को ई.टी.वी. एवं विभिन्न समाचार पत्रों ने प्रमुखता से प्रकाशित किया। कार्यक्रम में अन्य संस्कार भी सैकड़ों की संख्या में सम्पन्न हुए। ⊙

विशिष्ट साधना आन्दोलनों से सुप्त चेतना का जागरण

जालोर (राजस्थान)

गायत्री शक्तिपीठ जालोर ने वसंत पर्व पर सवा करोड़ गायत्री महामंत्र लेखन का विशाल अनुष्ठान आरंभ करने की घोषणा की। एक वर्षीय साधना अनुष्ठान में पूरे जिले में बाल-वृद्ध नर-नारी ९००० बालक-बालिकाओं को साधना आन्दोलन में भागीदार बनाने का लक्ष्य गायत्री परिवार ने रखा है। समग्र अभियान के लिए विभिन्न शाखाओं की टोलियाँ बना दी गयी हैं, जो विद्यालयों में दीपयज्ञ के माध्यम से बच्चों को प्रेरित करती हैं। अभियान में आहोर, चवरचा, थांवला, हरजी, छिपरवाड़ा, रेवतड़ा सायला, भूंडवा, दूदवा, साथू शाखाओं की अग्रणी भागीदारी है।

चेन्नै के सक्रिय परिजन श्री गोपाल सिंह, लालसिंह गजाणी राजपुरोहित ने वसंत पर्व की पूर्व संध्या पर जालौर जिले के अपने पैतृक गाँव सांथू में २४०० वेदीय दीपयज्ञ के साथ नूतन गृहप्रवेश का कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने इस अवसर पर ६००० मंत्र लेखन पुस्तिकाओं का अनुदान देने का संकल्प लिया। शक्तिपीठ से जुड़े परिजन मंत्र लेखन अभियान के साथ छात्र-छात्राओं से नित्य चालीसा पाठ कराने, उनके प्रज्ञा प्रशिक्षण शिविर रखने तथा नशामुक्ति रैलियाँ निकालने की भी तैयारी कर रहे हैं।

भोपाल (मध्य प्रदेश)

महा शिवरात्रि पर्व पर गायत्री शक्तिपीठ, महाराणा प्रताप नगर भोपाल पर अखण्ड दीप की स्थापना कर एक वर्षीय साधना महापुरश्चरण का शुभारंभ किया गया। परम पूज्य गुरुदेव द्वारा शक्तिपीठ स्थापना संकल्प के रजत जयंती वर्ष में उन्हीं के द्वारा गायत्री तपोभूमि मथुरा में स्थापित अखण्ड दीप से ज्योति लाकर भोपाल शक्तिपीठ पर अखण्ड दीप की स्थापना की गयी। वहाँ के परिजनों ने ज्योति में परम पूज्य गुरुदेव की प्राण चेतना का दर्शन करते हुए उसका भावभरा स्वागत किया।

वैशाली (बिहार)

गायत्री शक्तिपीठ पौनी हसनपुर द्वारा २५ जनवरी से वसंत पंचमी तक नौ दिवसीय सामूहिक साधना सत्र का आयोजन करते हुए २४ लाख गायत्री महामंत्र जप का अनुष्ठान किया गया। इसमें ४० नये साधकों की भागीदारी, दीक्षा एवं ज्ञानघट स्थापना का क्रम विशेष उत्साहवर्धक था। वसंत पर्व की संध्या पर दीप महायज्ञ एवं अगले दिन गायत्री यज्ञ के साथ उसकी पूर्णाहुति की गयी। इस अवसर पर श्री लक्ष्मण तिवारी आजाद मदरना ने एक एकड़ एवं एक पक्का भवन शक्तिपीठ को दान करते हुए वहाँ देव संस्कृति विश्वविद्यालय की शाखा स्थापित करने की इच्छा जाहिर की। ⊙